

28/05/2020

Subject - Computer Science teaching

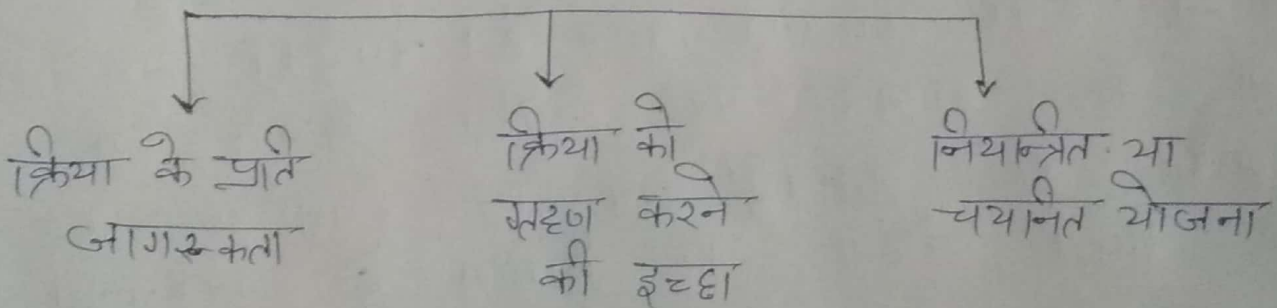
B.Ed  
1st Year

Topic - objectives of Affective Domain

महादय, क्रेशवाल, ने भावात्मक पक्ष के उद्देश्य को सन 1964 में इस पक्ष के उद्देश्यों को वर्गीकृत करने का काठिन कार्य किया। इसके लिए उन्होंने 'आन्तरीकरण' के प्रत्यय को आधार बनाया। इसके अन्तर्गत स्वार्थ, अभिरुचि, मूल्य, रसानुभूति तथा सामन्जस्य के विकास के उद्देश्य आते हैं, यह सामान्यतः गणित विषय में आर्थिक प्रयुक्त नहीं होते।

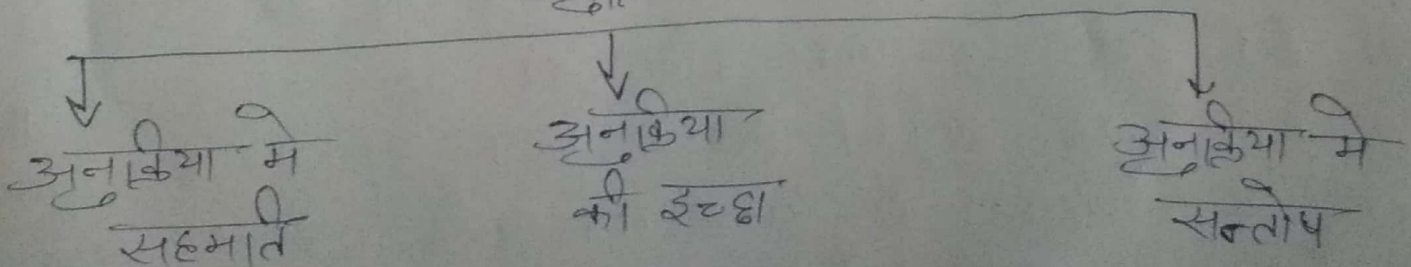
1. आग्राहण → Receiving ⇒ किसी वस्तु को ग्राहण करने की इच्छा या उद्दीपन के प्रति संवेदनशीलता ही आग्राहण है। इसके निम्न तीन स्तर हैं -

आग्राहण



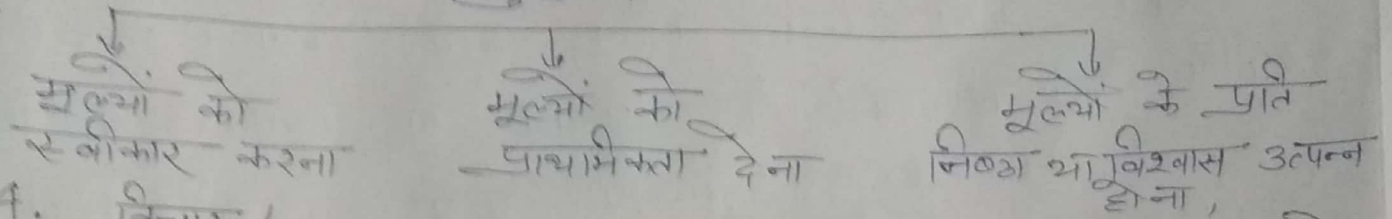
2. अनुक्रिया ⇒ Responding ⇒ उद्दीपन के प्रति सक्रिय अभिव्यक्ति ही अनुक्रिया है।

अनुक्रिया



3 अनुमूल्यन - Valuing : इसके अन्तर्गत बालक का वह व्यवहार आता है, जिसके द्वारा वह किसी वस्तु, तथ्य घटना, व्यवहार की श्रेष्ठता, मूल्यों व गुणों के विषय में स्वयं ही आब पगार करता है।

अनुमूल्यन



4. विचार / धारणा : Conceptualization : विचारों या धारणाओं के निर्माण का आधार समता या विषमता होता है। हम भी जब उपर्युक्त निर्मित मूल्यों में समता, भिन्नता व सम्बन्ध स्थापित कर धारणाओं का निर्माण करते हैं, उनका यह व्यवहार इस उद्देश्य के अन्तर्गत आता है।

5. व्यवस्था (Organization) : प्रत्यक्ष निर्माण हेतु चयनित मूल्यों का क्रमबद्ध समाशोचन इसके अन्तर्गत आता है। उपर्युक्त चयनित मूल्यों के आधार पर निर्मित विचारों या धारणाओं को क्रमबद्ध रूप से व्यवस्थित कर एक मूल्य संहिता का निर्माण ही व्यवस्थापन है।

6. चरित्रीकरण (Characterisation) : निष्प्रेत मूल्यों, विचारों एवं निष्ठाओं के संदर्भ में मानव व्यवहार का विशेषीकरण इसके अन्तर्गत आता है। इसके अन्तर्गत हमें का वह व्यवहार आता है, जिसमें वह उपर्युक्त निर्मित मूल्य संहिता के अनुसार स्वयं के व्यवहार को संचालित अपनी जीवन-शैली का निर्माण करता है।